

विश्वकर्मा ना होते | By Lakhbir Singh Lakha |

अगर विश्व में विश्वकर्मा ना होते
ये मशीने ये पुर्जे,
ये फरमा ना होते,
अगर विश्व में,
विश्वकर्मा ना होते ।

ये कल कारखाने ये मज़दूर मिले,
ये छैनी हथौड़े ये पेंच और कीले,
ये टाटा और टेल्लको ये मज़दूर मिले,
ये अद्भुत हुनर कारीगर भी ना होते,
अगर विश्व में,
विश्वकर्मा ना होते ।

ये विज्ञान का ज्ञान दुनिया से जुड़ना,
जहाजों का उड़ना ईशारों से मुड़ना,
चमत्कार ये दुनिया भर में ना होते,
अगर विश्व में,
विश्वकर्मा ना होते ।

ये बिल्डिंगें ये इमारतें ये बाइक ये कारें,
नई सभ्यता के ये सुन्दर नजारे,
सुशोभित हमारे घरों में ना होते,
अगर विश्व में,
विश्वकर्मा ना होते ।

है अद्भुत बहुत 'बेधड़क' इनके अंशज,
कला में निपूर्ण विश्वकर्मा के वंशज,
ऐ 'लक्खा' ये शर्मा ये वर्मा ना होते,
अगर विश्व में,
विश्वकर्मा ना होते ।

ये मशीने ये पुर्जे,
ये फरमा ना होते,
अगर विश्व में,
विश्वकर्मा ना होते ।

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%8b%e0%a4%a4%e0%a5%87-by-lakhbir-singh-lakha/>